नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक दस्तक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान यात्रा को महज कूटनीतिक यात्राओं की श्रृंखला के रूप में देखना भूल होगी. बदलती वैश्विक व्यवस्था में मध्य एशिया भारत की विदेश नीति का ऐसा मोर्चा बनकर उभर रहा है, जहां ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, सामरिक हित और आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई एक-दूसरे से जुड़ते हैं. उज्बेकिस्तान के साथ संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक ले जाना इसी बदलती रणनीति का स्पष्ट संकेत है.

यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति को लेकर बनी सहमति है. भारत तेजी से अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसके लिए परमाणु ईंधन की सुनिश्चित आपूर्ति अनिवार्य है. उज्बेकिस्तान के साथ संभावित समझौता भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ उसकी परमाणु ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को भी आधार देगा. ऊर्जा के वैश्विक बाजार में अस्थिरता के मौजूदा दौर में ऐसे भरोसेमंद स्रोतों का महत्व और बढ़ जाता है. दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर से अधिक करने का लक्ष्य रखा है. आंकड़ा अपने आप में बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन इसके पीछे छिपी संभावनाएं महत्वपूर्ण हैं. डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग भारत को मध्य एशिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ नई साझेदारी का अवसर देता है.

भारत की डिजिटल क्षमता और तकनीकी कौशल तथा मध्य एशिया के प्राकृतिक संसाधन परस्पर लाभ का आधार बन सकते हैं.इस पूरी कवायद का एक बड़ा रणनीतिक पक्ष चीन भी है. चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से मध्य एशिया में अपनी आर्थिक मौजूदगी काफी मजबूत की है. भारत को चीन की नकल करने के बजाय अपनी विशिष्ट ताकत के आधार पर विकल्प प्रस्तुत करना होगा. भारत की विश्वसनीयता, लोकतांत्रिक छवि, डिजिटल तकनीक, दवा उद्योग और मानव संसाधन उसे इस क्षेत्र में अलग पहचान दे सकते हैं. यही वजह है कि मध्य एशिया में भारत की सक्रियता केवल व्यापारिक विस्तार नहीं, बल्कि रणनीतिक संतुलन का प्रयास भी है.

किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन का शिखर सम्मेलन इस रणनीति को व्यापक क्षेत्रीय मंच प्रदान करता है. आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का भारत का रुख केवल राजनीतिक बयान नहीं होना चाहिए. अफगानिस्तान की अस्थिरता और उससे जुड़े आतंकी नेटवर्क की चुनौती मध्य एशिया से लेकर भारत तक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है. एससीओ जैसे मंच पर भारत को आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक और प्रभावी तंत्र बनाने की दिशा में दबाव बढ़ाना होगा.

हालांकि चुनौती यह है कि कूटनीतिक गर्मजोशी को जमीन पर आर्थिक परिणामों में कैसे बदला जाए. मध्य एशिया तक सीधी और सुगम पहुंच भारत की सबसे बड़ी कमजोरियों में रही है. चाबहार बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे और अन्य संपर्क परियोजनाओं को गति दिए बिना व्यापार का पांच अरब डॉलर का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा. प्रधानमंत्री की मध्य एशिया यात्रा का असली महत्व यही है कि भारत अब इस क्षेत्र को दूर का पड़ोसी मानकर नहीं चल रहा. ऊर्जा से लेकर सुरक्षा और तकनीक से लेकर व्यापार तक, मध्य एशिया भारत के लिए भविष्य का रणनीतिक गलियारा है. अब परीक्षा कूटनीतिक घोषणाओं की नहीं, उन्हें ठोस साझेदारी में बदलने की है. यदि भारत इसमें सफल रहा तो मध्य एशिया में उसकी मौजूदगी केवल चीन के प्रभाव का संतुलन नहीं बनेगी, बल्कि भारत की वैश्विक भूमिका को भी नई ताकत देगी.

सोनिया गांधी की किताब पर हंगामा है क्यों बरपा?

क्या सरकार तथ्यों को तोड़ना मरोड़ना चाहती है?

सोनिया गांधी ने यह भी बताया है कि वह तो प्राइवेट जीवन व्यतीत करना चाहती थीं, लेकिन सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन में प्रवेश करने के लिए वह किन कारणों से मजबूर हुई. सोनिया गांधी कांग्रेस की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहीं. उन्होंने अपने इस कार्यकाल की भी पुस्तक में चर्चा की है और यह भी विस्तार से बताया है कि 2004 में उन्होंने प्रधानमंत्री बनने से क्यों इनकार कर दिया था ?

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की मेमॉयर (संस्मरण) 'बिलांगिंग' पर विवाद खड़ा हो गया है. भारत में इसके प्रकाशन को लेकर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) ने अपने हाथ खींच लिए हैं, क्योंकि उसने पुस्तक के जिन अंशों को संपादित करने का सुझाव दिया था, उन्हें कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने मानने से इनकार कर दिया था. इसे 'लोकतंत्र की हत्या' कहते हुए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया है, 'पेंगुइन इंडिया पर दबाव डाला गया था कि पुस्तक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस व मोदी शासन के दौरान चीन ने जो भारतीय भूमि पर कब्जा किया है, उससे संबंधित अंशों को निकाल दिया जाए.' लेकिन पेंगुइन ने सावधानीपूर्वक गठित अपने वक्तव्य में कहा है, पीआरएचआई भारत में 'बिलांगिंग' का प्रकाशक नहीं है.

दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी प्रकाशक अल्फ्रेड ए नोफ जो सोनिया गांधी की पुस्तक की 1,00,000 कॉपियां प्रकाशित कर रहा है, वह भी पेंगुइन रैंडम हाउस का ही डिवीजन है. 'बिलांगिंग: ए जर्नी इन लव' के कवर पर युवा सोनिया गांधी की तस्वीर है और इस पुस्तक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 10 नवंबर 2026 को लॉन्च किया जाएगा. विवाद के बाद भारतीय प्रकाशकों में इस पुस्तक को प्रकाशित करने की होड़ लग गई है. अनुमान यह है कि भारत में इसे हार्पर कॉलिंस प्रकाशित करेगा. बहरहाल, सवाल यह है कि अगर पेंगुइन का ही डिवीजन नोफ बिना किसी बदलाव के पुस्तक को उसके मूल रूप में प्रकाशित करने के लिए तैयार हो गया, तो फिर पेंगुइन भारतीय संस्करण में परिवर्तन की मांग क्यों कर रहा था? क्या कहीं से कोई दबाव था कि एक पुस्तक दुनियाभर में तो छप सकती है, लेकिन भारतीय पाठक उसे संशोधित रूप में पढ़ें? क्यों? वैसे भी पुस्तक में लेखक के अपने विचार व अनुभव होते हैं, उसकी अपनी जिम्मेदारी होती है, उन्हें कोई प्रकाशक 'फैक्ट चेक' क्यों करना चाहता है? क्या कोई ऐसा कड़वा सच है, जिसे भारतीय जनता से छुपाने का प्रयास है?

गहलोत का आरोप है कि 'मोदी सरकार प्रकाशकों पर दबाव डालकर तथ्यों को भी तोड़ना-मरोड़ना चाहती है'. ऐसा प्रतीत होता है कि पेंगुइन असहज करने वाले तथ्यों या बातों को प्रकाशित करके किसी भी सूरत में सरकार को नाराज नहीं करना चाहता. ध्यान रहे कि पेंगुइन ने इस साल के शुरू में मुजफ्फरनगर दंगों पर कार्टूनिस्ट जो सैको की पुस्तक 'द वन्स एंड फ्यूचर रायट' के वितरण को भारत में रोक दिया था. ऐसा लग रहा है कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की

संस्मरण पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के कंटेंट पर फरवरी 2026 में संसद में हुए जबरदस्त विवाद के बाद पेंगुइन फूंक-फूंककर कदम रख रहा है. 2020 के लद्दाख व गलवान सीमा विवाद से संबंधित इस पुस्तक के अंश पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए थे और पुस्तक की 'कॉपियां' भी ऑनलाइन उपलब्ध थीं, जबकि सरकार का कहना था कि जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका हवाला संसद में कैसे दिया जा सकता था? पुस्तकों को प्रकाशन, वितरण से रोकना या प्रकाशक द्वारा लेखक पर पांडुलिपि में रद्दोबदल का दबाव डालना संविधान में दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का घोर उल्लंघन है. सोनिया गांधी की 544 पेजों की किताब इटली के छोटे से गांव में उनकी परवरिश, कैंब्रिज में शिक्षा, राजीव गांधी से उनकी मुलाकात, रोमांस व शादी आदि को बयान करती है. यह उनकी सबसे अधिक व्यक्तिगत किताब है, जो उनके दिल से निकली हुई प्रतीत होती है. इसमें उन्होंने अपनी व्यक्तिगत त्रासदियों की भी समीक्षा की है, विशेषकर सास इंदिरा गांधी व पति राजीव गांधी की हत्याओं की.

- शाहिद ए चौधरी

मालवा- निमाड़ की डायरी

सिंघार, डोडियार को मनाने में विफल

संजय व्यास

इन दिनों कांग्रेस विधायक व विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आदिवासियों के सर्वसम्मत नेता बनने की मशक्कत में लगे हैं. अंचल से ही झाबुआ विधायक विक्रांत भूरिया राष्ट्रीय आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. दोनों के बीच इसके लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है. उमंग सिंघार ने सामानांतर संस्था मप्र आदिवासी विकास परिषद बना रखी है और वे उसके अध्यक्ष हैं. सिंघार ने कुछ वर्षों में अपनी सशक्त परिषद टीम के साथ भूरिया परिवार का स्थापित झाबुआ क्षेत्र छोडक़र अंचल भर में वर्चस्व कायम किया है और अपना खेमा बढाने की ओर अग्रसर हैं. वे क्षेत्र में आदिवासियों के मध्य प्रभावशाली जयस नेताओं को जोडने में कामयाब रहे हैं.

इसी कड़ी में पिछले दिनों सिंघार जयस नेता हीरालाल अलावा की तर्ज पर भारत आदिवासी पार्टी विधायक कमलेश्वर डोडियार पर डोरे डालने सैलाना पहुंचे थे. कहने को जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों के हक की लड़ाई में सहयोग की चर्चा मुद्दा था, मगर सिंघार की चाहत उन्हें पार्टी में लाने की रही. सिंघार और डोडियार की वार्ता सिंघार के एजेंडे पर सिरा नहीं पा सकी. डोडियार को आदिवासी परिषद या कांग्रेस में जाने पर कोई फायदा नजर नहीं आया, जबकि भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के एकमात्र विधायक रहते उनके सामने संभावनाओं के कई द्वार खुले नजर आ रहे हैं. सो उन्होंने बाप में बने रहने का अपना स्टेंड जता कर सिंघार को टरका दिया.

राष्ट्रीय छवि बनाने को प्रयासरत कमलेश्वर

भारत आदिवासी पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बनाने को प्रयासरत सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन की मेजबानी स्वीकार की है. डोडियार को आशा है कि अधिवेशन में पार्टी उन्हें राष्ट्र स्तर पर कोई संगठनात्मक जिम्मेवारी जरूर सौंपेगी. वे भारत आदिवासी पार्टी के 9-10 सितम्बर रतलाम में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन की जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं. अधिवेशन में मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित देश भर के कई राज्यों के पार्टी पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ताओं को बुलावा भेजा गया है. अधिवेशन में पार्टी की पिछली गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ आगामी लक्ष्यों और और कार्य योजनाओं पर सामूहिक रूप से ठोस निर्णय लिए जाएंगे.

पार्टी के विस्तार के साथ आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन, संवैधानिक अधिकार, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. प्रदेश के एक मात्र भारत आदिवासी पार्टी के सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार के अनुसार अधिवेशन में आदिवासी समाज के अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों की प्रभावी रक्षा के लिए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने के रणनीति बनेगी ताकि देश भर भर आदिवासियों दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा हो सके.

उपेक्षा पर कार्यकर्ताओं में उबाल

हाल ही में घोषित धार जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में समर्पित कार्यकर्ताओं को स्थान न मिलने से उबाल है. उपेक्षा के खिलाफ दसई ब्लॉक के कई वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवाज बुलंद की है. उन्होंने इस लापरवाही के लिए जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं व क्षेत्रीय विधायक को जिम्मेवार ठहराया है. वर्षों से संगठन के हर कार्य में अग्रणी कार्यकर्ता कार्यकारिणी में लिए जाने की बाट जोह रहे थे, शामिल अन्य लोग कर लिए गए. उनका आरोप है कि कार्यकारिणी में पार्टी के लिए जी-जान खपाते आ रहे कार्यकर्ताओं की बजाए अन्य दलों से आए लोगों को तवज्जो मिल गई. इन नाराज कार्यकर्ताओं ने मध्य प्रदेश कांग्रेस की सह प्रभारी श्रीमती उषा नायडू को व्हाट्सएप के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित करके अपनी नाराजगी जाहिर कर जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं व विधायक के प्रति कड़ा विरोध जाहिर किया है.

बनावटी मामलों पर अदालत सख्त

धनवान मुकदमेबाज अपने वकीलों पर भरपूर पैसा खर्च कर सकते हैं, ताकि कानूनी लड़ाई अनेक वर्षों तक चलती रहे, लेकिन गरीब व्यक्ति कहां जाए ! अंडरट्रायल गरीब व कम पढ़े-लिखे कैदी का तो मामला ही लटकता रहता है.

देश की अदालतों में 5.6 करोड़ से भी अधिक मामले बकाया हैं. 11 लाख मुकदमे तो 20 वर्ष से भी अधिक समय से पेंडिंग हैं. इसकी वजह न्यायाधीशों की कमी, न्यायपालिका का अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, सहयोगी स्टाफ की कमी, प्रक्रिया की जटिलता, मामलों का कमजोर प्रबंधन, जांच व साक्ष्य जुटाने में विलंब आदि हैं. इसलिए साधनहीन गरीब न्याय पाने से वंचित रह जाते हैं. उन्हें अदालत बार-बार जाने से अपने रोजगार का नुकसान होता है, पेशी बढ़ने से कानूनी खर्च बढ़ता है और अनिश्चितता घेर लेती है. इसके विपरीत संपन्न मुकदमेबाज अपने विवाद को अदालत में लंबा खींचते हैं और अपना हिसाब बराबर करने या नाक ऊंची रखने के लिए भरपूर पैसा खर्च करते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने 11 वर्षों से चले आ रहे ऐसे ही एक मामले को बनावटी विवाद या लग्जरी लिटिगेशन बताते हुए दोनों पक्षों पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना ठोका. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि अदालत से दोनों पक्षों ने तथ्य छुपाए और नई बातें जोड़कर मामला बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया. बेंच को इस केस में बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, क्योंकि एक-एक तथ्य की छानबीन करनी पड़ी. ऐसे बनावटी विवादों की वजह से सामान्य न्यायदान में देरी होती है. धनवान मुकदमेबाज अपने वकीलों पर भरपूर पैसा खर्च कर सकते हैं, ताकि कानूनी लड़ाई अनेक वर्षों तक चलती रहे, लेकिन गरीब व्यक्ति कहां जाए! अंडरट्रायल गरीब व कम पढ़े-लिखे कैदी का तो मामला ही लटकता रहता है. विधि आयोग और संसदीय समितियों ने न्यायपालिका में जजों की कमी व प्रक्रिया की अक्षमता का मुद्दा बार-बार उठाया है. यह समस्या तभी हल हो सकती है, जब खाली पदों पर नियुक्ति हो, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जाएं तथा मध्यस्थता से विवाद हल करने को प्रोत्साहित किया जाए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

पहले अपना बीमा करवाना, बाद में तीर्थयात्रा पर जाना

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, तीर्थयात्रा के बिना जीवन किस काम का! सोचते हैं जब तक हाथ-पैर चलते हैं, मजे से तीर्थयात्रा कर आते हैं. देश की चारों दिशाओं में चार धाम हैं, जैसे कि द्वारका, जगन्नाथपुरी, बदरीनाथ और रामेश्वरम! उत्तराखंड की चारधाम यात्रा का मतलब है- जमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ जाना. पंडित लोग कहते हैं- बदरीनाथ में भगवान विष्णु का सिर है और नेपाल के पशुपतिनाथ में उनके चरण. इसके अलावा देश में 12 ज्योतिर्लिंग भी हैं. अब हम अपना ग्रुप बनाकर तीर्थाटन पर निकल जाते हैं.'

हमने कहा, 'इसके पहले अपनी वसीयत लिखवाइए ताकि परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर विवाद न हो. मोटी रकम का बीमा करवा लीजिए. तीर्थयात्रा के दौरान अगर आपकी आत्मा सीधे परमात्मा से मिल गई तो आपके परिवार को काफी दौलत मिल जाएगी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम भले-चंगे हैं, एकदम टनाटन ! आपने जो बताया वो सारे काम तीर्थयात्रा से लौटने के बाद भी कर सकते हैं. इतनी जल्दबाजी किस काम की?'

हमने कहा, 'जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है. वंदे भारत ट्रेन से जाएंगे तो शरारती लोग उस पर पथराव ह्रश्व बीमा करते हैं. शीशा तोड़कर पत्थर आपके सिर पर लगा तो बचना मुश्किल है. विमान यात्रा करोगे तो एयर टर्बुलेंस में फंसकर विमान गोता खाएगा. अजीत पवार जैसे बड़े नेता के लिए विमान यात्रा जानलेवा रही. हिमालय के पहाड़ी सड़कों पर कोई बस सीधे सैकड़ों फीट नीचे खाई में गिर सकती है. लैंडस्लाइड हुई तो भी बच पाना कठिन है. केदारनाथ में 2013 में और अभी नेपाल में कितनी भयंकर त्रासदी हुई, आपको पता ही है. सीधा ऊपर वाले का बुलावा आ जाता है. यदि कुंभ मेले में जाने की सोचेंगे अथवा किसी प्रसिद्ध मंदिर में त्योहार के मौके पर जाएंगे तो भगदड़ में कुचले जाएंगे. हम तीर्थयात्रा के लिए मना नहीं कर रहे हैं. आपको इंश्योरेंस कराने की सलाह दे रहे हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आपने हमें इतना डरा दिया कि अब कहीं जाने की बजाय यहीं भगवान का ध्यान कर लेते हैं, क्योंकि मन चंगा तो कटौती में गंगा! हर प्राणी के हृदय में भगवान निवास करते हैं. कबीर ने कहा था- मोहे कहां ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में, ना काबा में, ना काशी में और ना कैलाश में !'

शब्द-सागर 12366

- डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. राजनैतिक सिद्धांत जिसमें यह माना जाता है कि सब प्रकार के दोष तुरंत और चाहे जैसे हों उनका निराकरण होना चाहिए (एक्स्ट्रीमिज्म) सं. 2. अप्रसन्न 3. घोड़े की पीठ पर रखने की गद्दी, काठी 4. यंत्र, कल 5. सिक्ख संप्रदाय के संस्थापक महात्मा 7. घबराहट, हिचक 9. बहुत पतला सिरा, सूक्ष्म अग्रभाग 13. कपड़े की बुनावट में लंबाई और चौड़ाई के बल बुने हुए सूत 14. झन-झन का शब्द 15. ओहदा, पांव 16. बारीक सूत का बना बारीक कपड़ा 17. इनकार करना, नाट्य करना 19. मसालों आदि से सुरक्षित रखा गया शव 20. आम की मंजरी, मौर

बाएं से दाएं

1.जगमगाना, प्रकाशित होना 3. भोजन करना 6. गोद लिया हुआ लड़का, दत्तक 8. मन बहलाने या प्रसन्न करने वाला 10. समस्त शब्दों में प्रयुक्त होने वाला 'नाक' का संक्षिप्त रूप 11. कीच, कीचड़ 12. जानकारी, खोज, अनुसंधान 14. पलक का गिरना 17. पति की बहन 18. मेघ, घन 19. मिट्टी का बड़ा घड़ा 20. नाटा मनुष्य, बहुत ठिगना आदमी 21. बहुत ऊंचा या गोलाकार स्तंभअथवा इमारत, लाट 22. जमीन खोदकर बनाई हुई पतली तंग जगह जिसमें जीव-जंतु रहते हैं

Solution 12365

स	लो	ना	■	सं	पा	द	न
हा	■	भि	ज	बा	ना	■	म
नु	क्स	■	न	र	■	ना	क
भू	■	ब	क	ना	■	रा	ह
ति	त	ली	■	■	ब	ज	रा
■	र	■	ति	रं	गा	■	म
इ	क	बा	ल	■	व	श	■
क	श	■	वा	■	त	र	ह

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यापारिक कार्यों में अधिक परिश्रम से आंशिक सफलता के योग है. व्यय और संतान की चिन्ता से मन अशांत रहेगा. वाणी में कठोरता तथा प्रियजनों के प्रति उदासीनता रहेगी. निर्णय सोच विचार कर लें. वर्ष के अन्त में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग बना रहेगा. नवीन कार्यों में रूचि रहेगी. व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग मिलेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यवसायिक कार्यों में परिश्रम अधिक करना होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष में रूचि रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को संतान की चिन्ता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राज्य सम्मान की प्राप्ति होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निर्णय सोच विचार कर लेना हितकर रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अपनी योजनाओं को गुप्त रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चंचल और मिलनसार होगा. क्रोधी निडर और निर्णय के मामले में निपुण होगा. प्रत्येक कार्य अपने तरीके से पूर्ण करने वाला निष्ठा एवं लगन से कार्य करेगा. माता पिता का आदर करने वाला होगा. देश विदेश की यात्रा करेगा.

मेष- श्रम प्रयास से अभीष्ट कार्यों की पूर्ति होगी. शुभ संदेश मिलेगा. लाभदायक महत्वपूर्ण कार्य बनेगा. नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी. साहस रहेगा.

वृषभ- मतभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे. आकस्मिक धन लाभ होगा. कार्यों की अधिकता रहेगी. विशिष्टजनों से संपर्क लाभदायक रहेगा.

मिथुन- इच्छित सफलता के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव. आत्म विश्वास एवं मनोबल बना रहेगा. पारिवारिक यात्रा सुखद एवं आनन्ददायक रहेगी.

कर्क- आलस्य उदासीनता और कामकाज के प्रति अरूचि रहेगी. दैनिक कार्य में बाधा उत्पन्न होगी. प्रियजनों से विवाद हो सकता है, वैवाहिक चर्चा होगी.

सिंह- मदद मिलने से कामकाज की राह आसान होगी. व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी. मांगलिक कार्यों में खर्च होगा. प्रवास आदि का योग है.

कन्या- व्यापारिक कार्यों में लगन, उत्साह बना रहेगा. प्रयास सफल होगा. मन में प्रसन्नता रहेगी. मनोनुकूल कार्य बनेगा. परिश्रम सार्थक होगा.

तुला- मानसिक अस्थिता रहेगी. लेखन अध्ययन कार्य में बाधा उत्पन्न होगी. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. अनावश्यक विवाद को टालना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी. संपत्ति विवाद में सफलतापूर्वक कार्य बनेगा. राजकीय कार्यों में यश एवं कीर्ति प्राप्त होगी.

धनु- रूके कार्य बनने का योग है. आत्म विश्वास और मनोबल बना रहेगा. बना काम बिगड़ सकता है. आर्थिक योजनाओं की रूपरेखा बनेगी.

मकर- पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा. सुख सम्मान एवं यश कीर्ति की प्राप्ति होगी. प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं.

कुम्भ- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. मनोरंजन, भ्रमण, आमोद प्रमोद, के अवसर आयेंगे. लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी. धार्मिक कार्यों में खर्च होगा.

मीन- जमीन जायजाद संबंधी कामकाज बनेगा. व्यवसायिक समस्याओं का निदान होगा. मन की बात मित्रों से कह दें, इससे तनाव कम होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

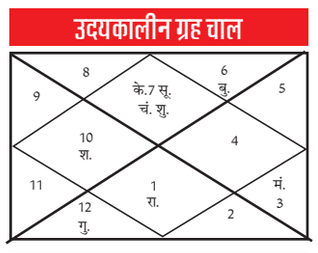

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2083 भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी भौमवासरे प्रात: 7/15 तदुपरि पंचमीं तिथौ रातअंत 5/39, अश्विनी नक्षत्रे रात 3/17, वृद्धि योगे रात 1/10, बालव करणे सू.उ. 5/44, सू.अ. 6/16, चन्द्रचार मेष, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी/पंचमीं को अश्विनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, धानु, नीलम, मोती, पुखराज, उड़द, घी, अलसी, तिल, गुड़, खांड़, कपास के भाव में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 11 बजकर 1 मिनिट से 18 मिनिट से 25 मिनिट के रूख पर व्यापार लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 5736 है.

SUDOKU 7498

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7497

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1